प्रकाशन तिथि : 01 जुलाई, 2022
प्रेषण तिथि : 04 जुलाई, 2022

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 08 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

आलोक आश्रम, बाड़मेर में संपन्न हुई केंद्रीय प्रतिनिधि सभा की बैठक

श्री क्षत्रिय युवक संघ की केंद्रीय प्रतिनिधि सभा की एक दिवसीय बैठक 26 जून 2022 को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर एवं माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सानिध्य में आलोक आश्रम बाड़मेर में संपन्न हुई। बैठक में केन्द्रीय समन्वयक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी सहित सभी केंद्रीय कार्यकारी, संभाग प्रमुख, प्रांत प्रमुख एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। माननीय संघ प्रमुख श्री ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जो कार्य योजना बनाई गई है वह सुचारू रूप से एवं तीव्र गति से संघकार्य चले, इसके लिए बनाई गई है लेकिन मुख्य बात है कार्य करना। इसके लिए स्वयं को निरंतर सक्रिय रहना पड़ेगा। हमारी सक्रियता बनी रहे, इसी के लिए अपने कार्य की प्रगति का प्रतिवेदन अपने वरिष्ठ सहयोगी को भेजने की भी व्यवस्था बनाई गई है। हम नियमित रूप से प्रतिवेदन भेजना प्रारंभ कर दें तो हमारी सक्रियता निश्चित रूप से बढ़ेगी। यदि हम यह समय पर भेजते रहें तो नियमित अंतराल पर हम अपनी स्थिति को जांच पाएंगे और इस प्रक्रिया से हमारा दायित्व बोध भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शाखा श्री क्षत्रिय युवक संघ का मुख्य काम है, इसी से संघ कार्य की नींव तैयार होती है। शिविर के दौरान जो उत्साह जन्म लेता है उसका सदुपयोग नई शाखाओं को प्रारंभ करने में होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि हम नए स्वयंसेवकों से संपर्क में निरंतरता बनाए रखें और उनकी ऊर्जा व उत्साह को सही दिशादर्शन प्रदान करें। माननीय संघ प्रमुख श्री ने प्रांत प्रमुख, संभाग प्रमुख व केंद्रीय कार्यकारी के लिए निर्धारित प्रतिवेदनों के बिंदुओं पर भी चर्चा की। बैठक के दौरान सत्र 2022-23 की कार्ययोजना के संबंध में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। शिविर, शाखाएं, संघशक्ति एवं पथप्रेरक हेतु लेखन, ग्राहक सदस्यता अभियान, प्रचार-प्रसार, आनुषंगिक संगठनों की गतिविधियां आदि विविध विषयों पर विमर्श करके इन क्षेत्रों में वर्षभर होने वाले कार्यों की योजना बनाई गई।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

बस एक ही मंत्र, कर्म करते रहो: संरक्षक श्री

(केंद्रीय प्रतिनिधि सभा में माननीय संरक्षक श्री द्वारा प्रदत्त उद्बोधन का सार संक्षेप)

ये प्रतिनिधि सभा की बैठक संपन्न हुई, पूरे साल भर का लेखा-जोखा किया। एक विनाशकारी समय आया था जिसके कारण हमारा काम प्रभावित हुआ। उसको वापस सुचारू होने में समय लगा, थोड़ी थोड़ी निराशा भी आने लगी। सभी चाहते थे कि काम हो और आप लोगों ने एक टीम बनाई, उस टीम की कार्ययोजना और प्रयासों से मैं अभिभूत हूं। चारों ओर भाग दौड़ करने के उपरांत भी कई बार फल नहीं मिलता है तो गीता का ज्ञान भी याद कर लें कि किसी भी कार्य के होने में पांच मुख्य कारण होते हैं। पहला होता है अधिष्ठान अर्थात कार्यक्षेत्र। वह हमारे पास है। दूसरा है कर्त्ता - वह भी हमारे पास है. तीसरा होता है करण अर्थात साधन। हमारे मन, बुद्धि, शरीर आदि हमारे साधन हैं। चौथी है विभिन्न प्रकार की चेष्टाएं। हमने चेष्टाएं भी बहुत की। फिर भी यदि काम नहीं होता है तो पांचवा कारण है दैव। हमारा प्रारब्ध, हमारे पूर्व जन्म के संस्कारों का परिणाम अथवा विधाता का लेख। आपकी कार्यक्षमता पर मुझे कभी भी शंका पैदा नहीं हुई और जो शिक्षण हमको संघ ने दिया, तन सिंह जी ने दिया उसके कारण कभी शंका होनी भी नहीं चाहिए। लेकिन कई बार कार्य करते-करते अंदर विकार उत्पन्न हो जाते हैं।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

किसान सबका अन्नदाता, उसका संरक्षण आवश्यक: रोलसाहबसर

श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वाधान में जिला स्तरीय किसान सम्मेलन आयोजित

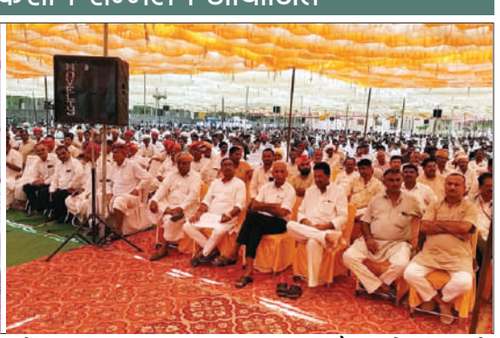

किसान संपूर्ण समाज का अन्नदाता है, उसका संरक्षण संपूर्ण समाज की आवश्यकता है, इसलिए समाज और सरकार द्वारा उसका संरक्षण किया जाना आवश्यक है। भारत वर्ष गांवों में बसता है, गांवों में सभी किसान ही है, किसी न किसी रूप से हम सब खेती किसानी से जुड़े हुए हैं और ऐसे सभी लोग एक साथ बैठे हैं, यह देखकर अच्छा लगता है। ये क्रिया बाड़मेर तक सीमित न रहे, राजस्थान के कोने कोने तक पहुंचे, भारत वर्ष में फैले, ऐसी चाह है। बाड़मेर के मल्लीनाथ राजपूत छात्रावास (महाविद्यालय) में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए संघ के संरक्षक माननीय भगवानसिंह रोलबाहबसर ने उपर्युक्त बात कही। उन्होंने कहा कि जीवन की आपाधापी में हम अपने आसपास के लोगो का ध्यान रखना न भूलें। हमारे पूर्वजन्म के संस्कार हैं इसलिए हम यहाँ एकत्रित हो पाए हैं। अगर हमारे जीवन में मानवीय गुण न हों तो हमारा जीवन पशुवत ही है। सत्तायें बदलती रहती हैं, हमारे भौतिक संसाधन बदलते रहते हैं लेकिन उनमें स्थायी सुख नहीं है, उसके लिए हमें संसाधनों पर गिद्ध दृष्टि छोड़कर जीवन के हेतु को समझकर उस ओर बढ़ना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्य विस्तार बैठक संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की निंबाहेडा तहसील की कार्य विस्तार बैठक राजपुत छात्रावास निम्बाहेड़ा में 20 जून को संपन्न हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केन्द्रीय कार्यकारी गंगा सिंह सजियाली ने संघ की श्रीमद्भगवद्गीता आधारित सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि संघ पिछले 76 वर्षों से समाज में संस्कार निर्माण द्वारा राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा है। हर्षवर्धन सिंह रुद ने फाउंडेशन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे संवैधानिक तरीके से सकारात्मक कार्य करके हम हमारे पूर्वजों की भांति जन कल्याण का कार्य कर सकते हैं। बैठक में लक्ष्मण सिंह बडोली ने निंबाहेड़ा क्षेत्र में प्रस्तावित संघ के प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित युवाओं को विभिन्न दायित्व भी सौंपे गए। जौहर स्मृति संस्थान के अध्यक्ष तख्त सिंह फाचर ने सभी का आभार प्रकट किया। 25 जून को लाडनूं विधानसभा क्षेत्र के बरड़वा ग्राम पंचायत की बैठक राजपूत सभा भवन में आयोजित की गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक नाथूसिंह बरड़वा की उपस्थिति में संपन्न बैठक में श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन के जिला टीम सदस्य विनोद सिंह बरांगणा ने फाउंडेशन के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। राजेंद्र सिंह धौलिया ने श्री प्रताप फाउंडेशन के उद्देश्य और कार्य के बारे में बताया। श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन की केंद्रीय कार्य समिति के सदस्य जयसिंह सागु ने SKPF द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। भरत सिंह बरड़वा ने भी अपने विचार रखे। बैठक का संचालन जिला प्रभारी जब्बर सिंह दौलतपुरा ने किया। बीकानेर जिले की ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यविस्तार बैठक 25 जून को बदरासर और बांदरवाला गाँव में संघ परंपरा के अनुसार संपन्न हुई। बैठकों में फाउंडेशन की कार्यसमिति के सदस्य जुगल सिंह बेलासर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद के सदस्य नवीन सिंह भवाद ने फाउंडेशन की कार्ययोजना व उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। महेंद्र सिंह भोलासर ने क्षेत्र में प्रस्तावित शिविरों की जानकारी देते हुए अधिकतम युवाओं को शिविर प्रशिक्षण प्राप्त करने का आग्रह किया एवं संघ द्वारा प्रकाशित मासिक समाचार पत्रिका संघशक्ति के ग्राहक सदस्य भी बनाये। बैठकों का संचालन सज्जन सिंह बदरासर किया। बीकानेर जिले के नोखा तहसील की ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यविस्तार बैठक भोमटसर और पारवा गाँव में संघ परंपरा के अनुसार संपन्न हुई। बैठकों में फाउंडेशन के केन्द्रीय कार्यसमिति के सदस्य जुगल सिंह बेलासर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। केंद्रीय परिषद के सदस्य राम सिंह चरकडा ने संघ के राजनीति के क्षेत्र में कार्यरत आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन के बारे में बताते हुए मतदान एवं अन्य योजनाओं के बारे में बताया एवं सामूहिक मतदान करने का आग्रह किया, इसी क्रम में उन्होंने श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन की कार्ययोजना के बारे में भी विस्तार से बताया। उम्मेद सिंह ने क्षेत्र में लगने वाले शिविरों के बारे में बताया और संघ की मासिक पत्रिका संघ शक्ति एवं समाचार पत्र पथप्रेरक के ग्राहक सदस्य बनाये। बैठकों का संचालन जितेन्द्र सिंह बीराण ने किया। अजमेर जिले की केकड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत स्तरीय बैठक अजगरी और स्यार गांव में सम्पन्न हुई जिसमें फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद के सदस्य देशराज सिंह लिसाड़ीया ने SKPF की कार्ययोजना और विगत 3 वर्षों में किए गए कार्यों के बारे में बताया। इस दौरान नरेंदर सिंह डोराई, भगवान सिंह देवगांव, विक्रम सिंह स्यार, मोहन सिंह स्यार, गोविंद सिंह अजगरी सहित स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। इसी प्रकार श्री प्रताप फाउंडेशन के निदेर्शानुसार 15 जून को रतनगढ़ विधानसभा के विभिन्न गाँवो में पराक्रम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक दल ने संपर्क यात्रा का आयोजन किया जिसमें भागीरथ सिह घुमन्दा , कल्याण सिंह मेलुसर, पवन सिंह कुसुमदेसर, दातार सिह भरपालसर, हिम्मत सिह, अर्जुनसिंह, जगजीतसिंह आदि ने सहयोग किया। इस संपर्क यात्रा में लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने हेतु किए जाने वाले विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई।

समारोहपूर्वक मनाई राव राजा कल्याण सिंह की जयंती

सीकर के जैन स्कूल सभागार में 20 जून को राव राजा कल्याण सिंह की 136वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। जयंती समारोह में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए योगदान और सामाजिक सौहार्द के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों को स्मरण करके उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कल्याण सिंह जी दूरदर्शी व्यक्तित्व के स्वामी थे जिन्होंने समय से पूर्व ही आने वाली चुनौतियों को समझ कर सीकर की भावी पीढ़ी के भविष्य को प्रभावित करने वाले लोक हितकारी निर्णय लिए। आज हम सभी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात करते हैं लेकिन राव राजा कल्याण सिंह जी ने आजादी से पूर्व ही कन्या वध पर रोक लगाने के लिए कानून बना दिया था। उनके द्वारा निर्मित स्कूल, कॉलेज और अस्पताल आज सीकर की जनता के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। उनके द्वारा सीकर में जगाई गई चेतना का ही परिणाम है कि आज शेखावाटी के युवा प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज और देश की सेवा कर रहे हैं। पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि राव राजा अपने खुद के लिए नहीं बल्कि सीकर की जनता के लिए जिए। उनके जैसा प्रजा का हितैषी शासक वर्तमान युग में मिलना कठिन है। विधायक राजेंद्र पारीक ने सीकर के कल्याण सर्किल पर राव राजा की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने नगर परिषद के नए कार्यालय का नाम कल्याण भवन रखने और मेडिकल कॉलेज का नाम राव राजा के नाम पर रखने की जानकारी दी। सांसद सुमेधानंद सरस्वती, जिला प्रमुख गायत्री कंवर, सभापति जीवण खां, रतनगढ़ विधायक अभिनेश महर्षी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में बालिका शिक्षा के लिए विशेष योगदान देने के लिए संघ के स्वयंसेवक स्व. रतनसिंह नंगली को मरणोपरांत राव राजा कल्याणसिंह अलंकरण से नवाजा गया। सीकर में ही सुभाष चौक गढ़ परिसर में भी राव राजा कल्याण सिंह जी की जयंती मनाई गई जिसमें शहरवासियों ने कल्याण सिंह जी को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धांजलि प्रकट की।

भूतेड़ी (गुजरात) में जैसलमेर के नाथुसिंह भाटी की देवली की स्थापना

पालनपुर जिले के भूतेड़ी गांव के पास मलाणा के जंगल में लगभग 90 वर्ष पहले विक्रम संवत् 1988 (ईस्वी सन 1931) में जैसलमेर के तेजमालता गांव के नाथुसिंह व उनके साथी नवाब की सेना के साथ युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। राजस्थान की जैसलमेर रियासत से संबंध रखने वाले नाथुसिंह जी की याद में उनके गांव तेजमालता (जैसलमेर) के समाजबंधुओं द्वारा उनकी स्मृति में गुजरात के भूतेड़ी, जहां उन्होंने प्राण त्याग थे, में छतरी का निर्माण करवाया गया। इस अवसर पर जागरण और प्रसादी का आयोजन भी किया गया जिसमें जैसलमेर और गुजरात के सैकड़ों लोग सम्मिलित हुए। नाथुसिंह जी व उनके 18 साथियों और तत्कालीन पालनपुर नवाब के सैनिकों के बीच 22 दिसंबर 1931 को संघर्ष हुआ जिसमें नाथूसिंह जी ने नवाब की सेना को रोक कर रखा व अन्य साथियों को सुरक्षित निकलने का अवसर प्रदान किया। नाथू सिंह अपने साथियों हड़मत सिंह भाटी तेजमालता, हीरसिंह कोटडिया कोटड़ा व मुकनसिंह भाटी भेड़ भाखरी के साथ वीरगति को प्राप्त हुए। उन्होंने सरदार भाई पटेल के खेत मे अंतिम सांस ली थी जहां पटेलों ने छोटी सी देवली बनाकर उन्हें झूझार के रूप में पूजना प्रारंभ किया। आज से 35 वर्ष पूर्व नाथुसिंह के परिजनों द्वारा वहां उनकी मूर्ति स्थापित की गई व पटेल परिवार ने अपनी खातेदारी जमीन में देवली निर्माण की स्वीकृति दी। इस मंदिर के प्रति क्षेत्र के लोग बड़ी आस्था रखते हैं।

गोता (अहमदाबाद) में मंथन शिविर का आयोजन

अहमदाबाद स्थित गोता राजपूत समाज भवन में 19 जून 2022 को श्री वाघेला (सोलंकी) चौलुक्य राजवंश इतिहास संशोधन ट्रस्ट (रजि.) के तत्वावधान में एक दिवसीय मंथन शिविर का आयोजन हुआ, जिसमे गुजरात के गौरवशाली इतिहास को उजागर कैसे किया जाएं, उसका संवर्धन कैसे करें, मिथ्या धारणाओं को दूर करके आवश्यक संशोधन करने आदि बिंदुओं पर चर्चा हुई। ट्रस्ट के प्रमुख भूपेन्द्रसिंह मानसा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इतिहास हमारी अमूल्य धरोहर है जिसे संरक्षित करना हम सभी का दायित्व है। पूर्वजों के त्याग और बलिदान से निर्मित यह इतिहास हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ट्रस्ट के उप प्रमुख दिग्विजयसिंह पिंडारडा और हरपालसिंह गोधावी ने हमारे ऐतिहासिक तथ्यों को प्रामाणिक तरीके से सभी तक पहुंचाने और समाज के युवाओं में इतिहास के प्रति रुचि जागृत करने के संबंध में बात की। कार्यक्रम में गुजरात के अलग-अलग चौलुक्य वाघेला वंश के विभिन्न ठिकानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में उतेलिया के युवराज भगीरथ सिंह, साणंद ठाकुर ध्रुव सिंह, गांगड ठाकुर रघुवीर सिंह, दियोदर युवराज गिरिराज सिंह, अर्जुन सिंह थराद सहित अनेकों गणमान्य सज्जन उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागप्रमुख अनदुभा काणेटी भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक भोज हुआ।

त्वरित गति से बढ़ रहा नवपीढ़ी में संस्कार निर्माण का कार्य

(तीन राज्यों के 11 शिविरों में 1350 से अधिक शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा शिविरों के माध्यम से समाज की नवपीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण का क्रम अनवरत जारी है। सत्र 2022-23 के शिविरों की श्रृंखला में 16 से 24 जून तक नौ दिन की अवधि में विभिन्न स्थानों पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के दस प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुए जिनमें दो बालिका शिविर भी सम्मिलित हैं। इन शिविरों में 1200 से अधिक बालक-बालिकाओं ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। जालौर संभाग में तीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए। बालिकाओं का चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आहोर तहसील के पांचोटा गांव स्थित नागणेशी माता मंदिर के परिसर में 17 से 20 जून तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए श्री मती रश्मि कंवर देलदरी ने कहा कि वर्तमान समय में हर कोई बंधनों को तोड़ने की बात करता है लेकिन यह हमारी संस्कृति की बात नहीं है। पाश्चात्य संस्कृति व्यक्ति को एक स्वतंत्र इकाई मानकर समाज को उसके लिए बाधक मानती है जबकि हमारी भारतीय संस्कृति व्यक्ति को समाज-शरीर का एक अभिन्न अंग मानती है और समाज के बंधनों को स्वीकार करने की बात करती है क्योंकि यदि इन बंधनों को स्वीकार नहीं किया जाए तो समाज और राष्ट्र में अव्यवस्था फैल जाएगी। श्री क्षत्रिय युवक संघ भी हमें श्रेष्ठता के बंधनों को स्वीकार करने का अभ्यास करवाता है और क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण के माध्यम से हमें हमारी संस्कृति, परंपरा और इतिहास से परिचित करवा रहा है। नारी ही संस्कृति और परंपराओं की संवाहिका रही है इसीलिए हम पर बहुत बड़ा दायित्व है। इस दायित्व को निभाने के लिए हमें स्वयं को श्रेष्ठ और सामर्थ्यवान बनाना होगा और वह संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली के माध्यम से ही संभव है। शिविर में जालौर, सिरोही, पाली और बाड़मेर जिले के अतिरिक्त गुजरात व महाराष्ट्र से कुल 200 राजपूत बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर समाप्ति के दिन सभी शिविरार्थियों को यथार्थ गीता भी वितरित की गई और स्वाध्याय करके गीता के दर्शन को अपने जीवन में उतारने की बात कही गई। सिरोही प्रांत के रेवदर मंडल में मकावल गांव में बालकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। महोब्बत सिंह धिंगाणा ने शिविर का संचालन किया। विदाई उद्बोधन में उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमारी संस्कृति में यह परंपरा रही है कि जब भी कोई श्रेष्ठ कार्य करने जाते हैं तो भाल पर तिलक लगाकर विदाई दी जाती है या किसी श्रेष्ठ कार्य में सफल होकर लौटते हैं तो उनके भाल पर तिलक लगाकर उनका स्वागत किया जाता है। संघ भी आपको श्रेष्ठ कार्य में नियोजित करना चाहता है इसीलिए आपके भाल पर तिलक लगाकर आपका स्वागत किया गया था और उसी प्रकार आपको विदाई भी दी जा रही है। यहां आपने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने आप को साधने का अभ्यास किया और क्षात्र धर्म की शिक्षा ग्रहण की। यह छोटी सी अवधि का शिक्षण भी महानता की ओर बढ़ा हुआ एक कदम है। ऐसे ही बार-बार अभ्यास से हम सच्चे क्षत्रिय बनकर समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए उपयोगी बन सकेंगे। जब भी आपको लगे कि आप के संकल्प व प्रेरणा में कुछ कमी आ रही है तो पुनः संघ के शिविर में आकर अपने आप को नई ऊर्जा से भरें। गांव में स्थित जुझार बावजी के मंदिर में संपन्न इस शिविर में सिरोडकी, मकावल, सरण का खेड़ा, वरमाण, केसुआ, सादलवा, सनवाड़ा, जाविया, राजीकावास, जसवंतपुरा, जीरावल आदि गांवों के 110 बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। सांचौर प्रांत के तेतरोल गांव स्थित श्री गादेश्वरी माताजी मंदिर में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ जिसका संचालन गणपतसिंह भवरानी ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि इन चार दिनों में श्री क्षत्रिय युवक संघ से आपने जो कुछ प्राप्त किया है वह बाहरी संसार में व्याप्त तामसिक वृत्तियों से आपकी रक्षा करने में सहायता करेगा। लेकिन संघर्ष में तो आपको स्वयं ही जुटना होगा और जो संघर्ष में जुटता है उसको सहायता भी प्राप्त होती है और सफलता भी अवश्य मिलती है। सच्चा क्षत्रिय कभी भी संघर्ष से पीछे नहीं हटता। हमारे पूर्वजों का जीवन यदि हम देखें तो पाएंगे कि उनका संपूर्ण जीवन संघर्षमय ही रहा है। सत्य और न्याय के लिए किए गए उसी संघर्ष ने उन्हें इतना महान बनाया कि समस्त संसार उनके बताए मार्ग पर चलता रहा है। शिविर में सांचौर, रानीवाड़ा व चितलवाना क्षेत्र के 118 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। प्रांत प्रमुख महेंद्र सिंह कारोला सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। जयपुर संभाग में चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 16 से 19 मई तक दूदू क्षेत्र के ग्राम हट्टूपूरा में संपन्न हुआ। राम सिंह अकदड़ा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने बालकों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन का शिक्षण दे रहा है। समाज ही श्री क्षत्रिय युवक संघ का उपास्य है और उसकी सेवा के लिए ही पिछले 76 वर्षों से संघ इस प्रकार के शिविरों का आयोजन करके समाज की युवा पीढ़ी को क्षत्रियोचित संस्कारों का प्रशिक्षण दे रहा है। आपने संघ से जो कुछ प्राप्त किया है उसे केवल अपने तक ही सीमित न रखकर समाज में आगे बांटे जिससे सभी तक पूज्य तनसिंह जी का संदेश पहुंचे। शिविर में सामी, डूंगरसिंह का बास, पीपासर, पलाड़ा, डाबड़ी धीर सिंह, ढूंढा, सिसरवादा, बुटाटी, भडकोल, काचरेडा, बावड़ी, रोजदा, भेड़को, गुगड़वार, रायपुरिया, ककराना, झाड़ली, नंगलवाड़ी, लाखणी, बासु, नगवाडा, सुराणी, सान्दरसर, निभेंडा, कुरथल, रामपुरा, रलावता, श्यामपुरा, मायापुर, करीरी, खेतड़ी, बुगालिया, मोरसर, सावरदा, देवली, बांजाकुडी आदि गांवों से 120 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। रणवीर सिंह, दलपत सिंह, मोहन सिंह, गोविंद सिंह, कान सिंह, रघुनाथ सिंह आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। बीकानेर संभाग के श्री डूंगरगढ़ प्रांत में भी 17 से 20 जून तक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सत्तासर गांव स्थित राधा कृष्ण गौशाला के प्रांगण में हुआ जिस का संचालन शक्ति सिंह आशापुरा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि आज राष्ट्र में जिस प्रकार की स्थिति है उसमें केवल क्षत्रिय समाज ही आशा की किरण के रूप में नजर आता है। क्षत्रिय समाज जब तक पुनः त्याग और बलिदान के मार्ग पर चलना प्रारंभ नहीं करता तब तक हमारी संस्कृति, परम्परा और धर्म का संरक्षण संभव नहीं है, इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ क्षत्रिय समाज को स्वधर्मपालन का पाठ पढ़ा रहा है। शिविर में पुन्दलसर, झंझेउ, लखासर, जोधासर, कोटासर, गुंसाईसर, जाखासर, राजपुरा, दुंकर, घंटीयाल, केऊ, सोनियासर, लूणकरणसर व बीकानेर शहर के 111 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर व वरिष्ठ स्वयंसेवक भागीरथ सिंह सेरूणा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। विक्रमसिंह, जेठूसिंह, करणी सिंह सत्तासर ने ग्राम वासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

उत्तरप्रदेश के मोरना मंडल के झीरखी गांव में भी 19 से 22 जून तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। संभाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य की मांग सभी क्षेत्रों में निरंतर बढ़ रही है लेकिन संघ का कार्य दीर्घकालीन कार्य है इसलिए जब तक स्थानीय स्तर पर स्वयंसेवक कार्य संभालना प्रारंभ नहीं करते तब तक क्षेत्र में संघ कार्य का अपेक्षित विस्तार नहीं हो सकेगा। इसलिए आप जो प्रशिक्षण यहां शिविर में प्राप्त कर रहे हैं उसको अपने जीवन में उतार कर संघ के कार्य को इस क्षेत्र में भी तीव्र गति से आगे बढ़ाएं। पूज्य श्री तन सिंह जी की पीड़ा का अनुभव करके ही हम श्री क्षत्रिय युवक संघ को समझ सकते हैं। जब यह पीड़ा हमारे भीतर जागेगी तो यह हमें शांत नहीं बैठने देगी और हम इस पीड़ा को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कर्मरत हो जाएंगे। शिविर में 50 राजपूत बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। डॉ प्रमेंद्र सिंह शेखावत ने स्थानीय साथियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। 21 जून को शिविर के दौरान योग दिवस भी मनाया गया। हरियाणा में फरीदाबाद के सेक्टर- 8 में राजकुल सांस्कृतिक संस्था द्वारा संचालित महाराणा प्रताप भवन में भी 16 से 19 जून तक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। प्रांत प्रमुख रेवत सिंह धीरा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि कर्तव्य पालन के लिए सदैव त्याग करना पड़ता है और इसीलिए निष्ठा पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन करने वाले लोगों की आज के युग में भारी कमी है। आज प्रत्येक व्यक्ति कुछ पाना चाहता है, अपने लिए अधिकारों की मांग करता है लेकिन त्याग करने के लिए तैयार नहीं है। श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज मे पुनः त्याग को प्रतिष्ठापित करना चाहता है। यह कार्य बिना कष्ट पूर्ण साधना और निरंतर अभ्यास के संभव नहीं है इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इस प्रकार के कठिन प्रशिक्षण के द्वारा समाज के मार्गदर्शन का दायित्व निभाने के लिए तैयार कर रहा है। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

संपादकीय

महिला शक्ति की आदर्श भूमिका

परमेश्वर ने सृष्टि के रंगमंच के प्रत्येक पात्र को उसकी भूमिका के अनुरूप शक्तियां देकर उन्हीं शक्तियों को उत्तरोत्तर जागृत कर परमेश्वर बनने का मार्ग को बताया और उस मार्ग को ही महापुरुषों व दार्शनिकों द्वारा स्वधर्म नाम से विभुषित किया। हमारी भारतीय संस्कृति परमेश्वर की व्यवस्था के अनुरूप स्वयं को उपयोगी बनाकर उन्हीं के दृष्टिकोण से प्रत्येक पात्र को सृष्टि के लिए उपयोगी बनने का मार्ग प्रशस्त करती है, इसीलिए हमारी संपूर्ण समाज व्यवस्था व भौतिक जीवन के समस्त क्रियाकलाप इसी विषय को केन्द्र में रखकर निर्धारित किए गए। परमेश्वर के बारे में चिंतन मनन करना, उसकी ओर बढ़ने के मार्ग पर प्रवृत्त होना आदि आध्यात्मिक विषय माने जाते हैं और अन्य संस्कृतियों में आध्यात्मिक व भौतिक जीवन को अलग अलग माना जाता है लेकिन हमारी भारतीय संस्कृति में इन दोनों का पृथक्करण करने की कोई स्पष्ट रेखा निर्धारित नहीं की गई बल्कि जीवन की प्रत्येक गतिविधि के लिए तय व्यवस्था इस प्रकार निर्धारित की गई कि इस रंगमंच का प्रत्येक पात्र अपनी सांसारिक भूमिका का निर्वहन करते हुए स्वतः स्फूर्त अपने अंतिम लक्ष्य की ओर प्रवाहित होता रहता है।

इसी दृष्टिकोण से हमारे यहां महिला और पुरुषों की भूमिकाएं तय की गई। हमारी संस्कृति में महिला व पुरुष को पृथक पृथक ईकाई नहीं माना गया अपितु दोनों को सम्मिलित रूप से एक ही ईकाई माना गया और इसीलिए हमारे यहां परमेश्वर के अर्धनारीश्वर स्वरूप की धारणा की गई। इसी दृष्टिकोण का परिणाम है कि हमारी भारतीय व्यवस्था में व्यक्ति ईकाई नहीं होता बल्कि परिवार ईकाई माना जाता है, समाज ईकाई माना जाता है। महिला और पुरुष को एक ईकाई मानते हुए दोनों का कार्यक्षेत्र भी इस प्रकार निर्धारित किया गया कि वे दोनों एक दूसरे के पूरक बन कर परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकें। परमेश्वर की इसी व्यवस्था को मद्देनजर रखते हुए हमारे भारतीय व्यवस्थाकारों ने महिलाओं के लिए वे कार्य निर्धारित किए जिनके लिए शारीरिक मजबूती की नहीं बल्कि मानसिक और भावनात्मक मजबूती की आवश्यकता होती है क्योंकि हमारी व्यवस्था मानती है कि महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा आंतरिक रूप से अधिक मजबूत होती हैं। वहीं पुरुषों की भूमिका तय करते समय यह ध्यान रखा गया कि उनके लिए वे काम तय किए जाएं जो शारीरिक मजबूती की मांग करते हों। इसलिए हमारी व्यवस्था में परिवार को गढ़ने और संभालने का आंतरिक काम महिला को दिया गया वहीं परिवार के लिए परिवार से बाहर के काम पुरुषों के लिए तय किए गए। हालांकि इतिहास में आवश्यकता पड़ने पर महिलाओं द्वारा परिवार के बाह्य कामों का दायित्व संभालने के भी अनेक उदाहरण भरे पड़े हैं लेकिन वह तब किया गया जब या तो पुरुष उस काम के लिए उपलब्ध नहीं हो या वे अपने कर्तव्य से च्युत हो गये हों। सामान्य परिस्थितियों में तो हमारे यहां महिलाएं परिवार की समस्त प्रकार की आंतरिक व्यवस्थाएं संभालती थीं वहीं पुरुष बाहर के सभी काम। इस प्रकार दोनों की क्षमताओं का समुचित उपयोग होता था और दोनों ही संसार को अपना सर्वश्रेष्ठ दे पाते थे और आज भी समाज के बहुत बड़े भाग में ऐसा ही हो रहा है, महिलाएं अपनी मानसिक एवं भावनात्मक दृढ़ता से परिवार के सिंचन में अपना शतप्रतिशत दे रही हैं और उससे भी श्रेष्ठ बात यह है कि वे बदले में धन्यवाद की भी अपेक्षा नहीं करतीं।

लेकिन इसका एक दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि शारीरिक रूप से अपनी मजबूती के कारण कतिपय पुरुषों पर पशुता हावी होती रहती है और ऐसे मानव पशु अपनी उस पशुता का प्रकटीकरण परिवार की महिलाओं पर भी करते हैं। कतिपय सामाजिक व्यवस्थाकारों ने भी अपनी इस छिपी हुई पशुता और स्वार्थ के वशीभूत होकर हमारी आदर्श समाज व्यवस्था को विकृत किया और महिलाओं के प्रति अनुदारता बरती और इसी कारण महिला व पुरुष संबंधों में पश्चिम का व्यक्तिवाद प्रविष्ट हुआ। इसके परिणाम स्वरूप महिला व पुरुष मिलकर एक ईकाई नहीं बल्कि अलग अलग ईकाई माने जाने लगे और महिलाओं में स्वयं का पृथक अस्तित्व कायम करने के लिए पुरुषों के क्षेत्र में प्रविष्ट होने की चाह प्रबल होने लगी। धीरे धीरे समाज में यह धारणा विकसित होती गई कि वह महिला अधिक श्रेष्ठ है जो गृहणी के रूप में नित्य प्रतिदिन के दायित्व निर्वहन करने की अपेक्षा परिवार से बाहर स्वयं कमाने के लिए जाती है। इसी धारणा का परिणाम है कि आज हम हमारे परिवारों में भी कलेक्टर बनने वाली, डाक्टर बने वाली, इंजीनियर बनने वाली, पायलट बनने वाली, अध्यापक बनने वाली या अन्य कोई नौकरी करने वाली महिलाओं को श्रेष्ठ मानने लगे हैं और ऐसे क्षणों को परिवार व समाज के लिए गौरव का क्षण मानते हैं। इससे ऐसा लगता है कि जो महिला गृहणी के रूप में एक आदर्श पत्नी का दायित्व निर्वहन करती है, एक आदर्श माता का निर्वहन करती है, एक आदर्श बहु का दायित्व निर्वहन करती है, एक आदर्श बहिन, नणद या भाभी का दायित्व निर्वहन करती है उसका समाज में कोई योगदान ही नहीं है या वह योगदान गणनीय ही नहीं है। समाज में अपने आपको समझदार व श्रेष्ठ मानने वाले अनेक लोगों की नजर में वही महिला श्रेष्ठ है जो अपने गृहणी के दायित्व की अपेक्षा या इसके अतिरिक्त परिवार के बाहर के दायित्वों का निर्वहन करती है और इस प्रकार उस गृहणी की परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए उत्पादकता को नगण्य मान लिया जाता है जो घर में सबसे पहले उठती है और सबसे बाद सोती है। सबको पोषित करती है और अंत में स्वयं भोजन करती है। जो निष्काम भाव के भारतीय आदर्श के सर्वाधिक निकट भूमिकाओं में से एक का निर्वहन करती है, त्याग और बलिदान जिसकी भूमिका में स्वाभाविक रूप से समाया हुआ है एवं जो पूरे परिवार की आदर्श प्रबंधक और संयोजक होती है। यह स्थिति स्वयं को महिला अधिकारों की पैरोकार कहने वाली महिलाओं के लिए भी विचारणीय होनी चाहिए कि एक बहुत बड़ी महिला शक्ति की भूमिका को समाज कमतर आंक रहा है और उन चंद महिलाओं को महिला शक्ति का प्रतीक माना जा रहा है जो अपनी श्रेष्ठतम भूमिका की अपेक्षा ऐसी भूमिका का चयन कर रही हैं जो उनके लिए अधिक श्रमसाध्य एवं मुश्किल भरी है और जो स्वभावतः उनके लिए कठिन है।

श्री क्षत्रिय युवक संघ महिलाओं की इस आदर्श भूमिका का सदैव सम्मान करता है और अपने बालिका शिविरों में यह शिक्षण देता है कि महिलाओं को कुछ भी बनने से पहले आदर्श महिला बनना आवश्यक है और वही भूमिका उसके लिए सर्वाधिक समीचीन व सम्मान सूचक है। इसका अर्थ यह नहीं है कि संघ महिलाओं को सभी परिस्थितियों के लिए तैयार करने की आवश्यकता को स्वीकार नहीं करता। संघ यह मानता है कि हमारे घर की बालिका को उसके जीवन में संभाव्य सभी भूमिकाओं के लिए तैयारी करनी चाहिए। उसे सभी क्षमताओं का अर्जन करना चाहिए और आवश्यकता होने पर उसे परिवार के बाहर के दायित्वों के निर्वहन के लिए भी क्षमताएं अर्जित करनी चाहिए लेकिन उस मूल भूमिका को कभी भी कमतर नहीं मानना चाहिए जिसके कारण भारतीय संस्कृति में अर्धनारीश्वर की धारणा की गई। ऐसे में हमें समाज से अपेक्षा भी करनी चाहिए है कि जिस प्रकार उसने कलेक्टर बनने या पायलट बनने पर हमारी बेटियों को सम्मानित करने की परंपरा बनाई है वैसे ही एक आदर्श बेटी, आदर्श बहु, आदर्श बहिन आदि महिलाओं का भी सम्मान सार्वजनिक सम्मान करने की परम्परा बनाई जाए।

कल्याणपुर में यथार्थ गीता वितरण एवं किसान सम्मेलन हेतु आमंत्रण

21 जून को पंचायत समिति कल्याणपुर सभागार में श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर के निदेशानुसार स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज रचित यथार्थ गीता प्रधान उम्मेद सिंह अराबा, उप प्रधान श्रवण सिंह राजपुरोहित, विकास अधिकारी भोपाल सिंह फलसुंड सहित कल्याणपुर क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भेंट की गई। इस दौरान वीरम सिंह थोब ने प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में 24 जून को आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में चलने हेतु निवेदन किया। कार्यक्रम में मेहताब सिंह सरपंच, भंवर सिंह चारलाई, दौला राम सरपंच, जोग सिंह कांकराला, ग्राम विकास अधिकारी मांगू सिंह वरिया, दिगपाल सिंह वेडिया, तेजपाल सिंह कालेवा, नारायण सिंह सेवाला, गुलाब सिंह झंवर सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

कच्छ और अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत में संपर्क यात्रा का आयोजन

गोहिलवाड-सौराष्ट्र संभाग के कच्छ प्रांत में 11-12 जून को दो दिवसीय सम्पर्क यात्रा का आयोजन किया गया। 11 जून को यात्रा के अंतर्गत सर्वप्रथम रापर तहसील के भुटकिया गांव में संपर्क किया गया। तत्पश्चात उमैया, रापर, रामवाव, रव मोटी में संपर्क किया गया। गेड़ी में रात्रि विश्राम के पश्चात 12 जून को रव नानी के राम झरुखो आश्रम में संत आनंद बा से भेंट करके श्री क्षत्रिय युवक संघ के संबंध में चर्चा की गई। संत आनंद बा (जो स्वयं राजपूत परिवार से हैं) ने कहा कि संघ कार्य की हमारे समाज में बहुत आवश्यकता है। यह ईश्वरीय कार्य है जिसके द्वारा पूरे समाज का कल्याण होगा। उन्होंने अपने आश्रम में बालिका शिविर के आयोजन का प्रस्ताव भी रखा। इसके पश्चात सभी गेड़ी गांव में वाघेला इतिहास संशोधन समिति की बैठक में शामिल हुए। तत्पश्चात गेड़ी शाखा की बैठक हुई जिसमें शाखा के स्वयंसेवक व उनके परिजन सम्मिलित हुए। इस दौरान गांव में शिविर के आयोजन तथा आस-पास के गांवों में शाखा प्रारंभ करने के संबंध में चर्चा हुई। इसके बाद सणवा जागीर के ठाकुर साहब की डेली में बैठक रखी गई। सायं सात बजे पर गांव की शाखा में सम्मिलित हुए तथा अंत में राधनपुर में समाजबंधुओं के साथ बैठक के साथ संपर्क यात्रा का समापन हुआ। उत्तर गुजरात संभाग प्रमुख विक्रम सिंह कमाणा, पाटण प्रांत प्रमुख धर्मेंद्र सिंह मोटीचंदूर व कच्छ प्रांत प्रमुख वनराज सिंह भेंसाणा सहयोगियों सहित यात्रा में उपस्थित रहे। मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत में भी 19 जून को सम्पर्क यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में प्रांतप्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाडा, सहदेव सिंह मूली, भरत सिंह कुकराणा और अनिरुद्ध सिंह कानेटी ने अन्य सहयोगियों के साथ विभिन्न शाखाओं का दौरा किया। प्रातः सात बजे गांधीनगर में सेंट्रल विस्टा गार्डन शाखा में पहुंचकर स्वयंसेवकों के साथ शहर में संघकार्य के विस्तार पर चर्चा की। उसके पश्चात क्रमशः समौ, पडुस्मा, ईटादरा और खाटा आंबा गांवों में संपर्क कर वहां शाखा पुनः प्रारंभ करने के संबंध में चर्चा की गई। शाम को महुन्द्रा गांव की शाखा में पहुंचकर स्वयंसेवकों से चर्चा की। तत्पश्चात रात्रि 8 बजे मगोड़ी गांव पहुंचकर साप्ताहिक शाखा में भाग लिया।

कृष्णा कंवर सिसरवादा बनी वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक अर्जुन सिंह सिसरवादा की पुत्री कृष्णा कंवर वायु सेना फ्लाइंग ऑफिसर नियुक्त हुई है। पाली जिले की सोजत तहसील के सिसरवादा गांव की मूल निवासी कृष्णा कंवर ने अपनी शिक्षा पानीपत व दिल्ली से प्राप्त की। उन्हें हैदराबाद स्थित वायु सेना अकादमी में आयोजित ग्रेजुएशन परेड में कमीशन दिया गया।

पूजा कंवर सांवलोदा लाडखानी का विश्व जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में चयन

सीकर जिले की धोद तहसील के गांव सांवलोदा लाडखानी की निवासी पूजा कंवर पुत्री सुरेंद्र सिंह 22 जून से 3 जुलाई तक यूरोप के स्लोवेनिया में आयोजित हो रही विश्व जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। सामान्य परिवार से आने वाली पूजा कंवर ने अपनी पढ़ाई सरकारी स्कूल से की है। उनकी यह सफलता समाज के युवक-युवतियों के लिए प्रेरणादायक है।

विभिन्न संभागों में कार्ययोजना बैठकें संपन्न

सत्र 2022-23 के लिए कार्ययोजना तय करने हेतु आयोजित हो रही बैठकों के क्रम में मेवाड़ वागड़, मेवाड़ मालवा, बाड़मेर और महाराष्ट्र संभाग की बैठकें क्रमशः 14, 18 व 19 जून को संपन्न हुई। 14 जून को मेवाड़ वागड़ और मेवाड़ मालवा संभाग की संयुक्त कार्ययोजना बैठक प्रतापगढ़ में धरियावद रोड स्थित वनदेवी नर्सरी परिसर में माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सानिध्य में संपन्न हुई। माननीय संघ प्रमुख श्री ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी दर्शक नहीं बल्कि संघ के सहयोगी हैं, साथी हैं। जो दायित्व संघ की ओर से आपको मिला है उसे यदि अपना कार्य मानेंगे तो ही दायित्व का निर्वहन कर सकेंगे। अनेक मार्गों पर एक साथ नहीं चला जा सकता है इसलिए प्रत्येक को अपने लिए किसी एक मार्ग का चुनाव करना ही पड़ता है। एक मार्ग के चुनाव से ही अनन्यता का भाव जगता है और इसी से दायित्व बोध भी गहन होता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ ने हम पर विश्वास किया है लेकिन इस विश्वास पर खरा उतरने की जिम्मेदारी हमारी है। इस विश्वास की कीमत समझ कर यदि हम निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करते हैं तो हम सहज रूप से जीवन के परम लक्ष्य तक भी पहुंच जाएंगे। हमारे अग्रजों ने इस मार्ग पर चलते हुए जो तपस्या की है उसी का परिणाम हम आज देख रहे हैं कि श्री क्षत्रिय युवक संघ निरंतर आगे बढ़ रहा है। अब तपस्या की बारी हमारी है जिससे हम पर हमारे अग्रजों का जो ऋण है उसे हम उतार सकें। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली और संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा व भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे तथा स्वयंसेवकों को सत्र 2022-23 के लिए विभिन्न दायित्व सौंपे। बैठक के पश्चात मेवाड़ क्षत्रिय महासभा की केंद्रीय कार्यकारिणी उदयपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक सिंह मेतवाला तथा प्रतापगढ़ अध्यक्ष डीडी सिंह राणावत भी अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों सहित संघप्रमुख श्री से शिष्टाचार भेंट की। बाड़मेर संभाग की कार्ययोजना बैठक 18 जून को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर के सानिध्य में आलोक आश्रम बाड़मेर में आयोजित हुई। माननीय संरक्षक श्री ने स्वयंसेवकों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि जो भी कार्य करें उसे जिम्मेदारी के साथ करें। यह कार्य ईश्वर का है, यह मानकर कार्य करते रहें तो हम जो भी लक्ष्य निर्धारित करेंगे वह अवश्य ही प्राप्त हो जाएगा और हमारे भीतर किसी प्रकार के विकार भी नहीं पनपेंगे। बैठक के दौरान सत्र 2022-23 में संभाग में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा हुई। संभागप्रमुख महिपाल सिंह चूली द्वारा संभाग के 4 प्रांत व 20 मंडल में विभिन्न कार्यों हेतु स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए। संभाग में इस वर्ष 17 शिविरों के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह रानीगांव सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। इसी प्रकार महाराष्ट्र संभाग की कार्ययोजना बैठक 19 जून को भायंदर, मुम्बई में आयोजित हुई। केंद्रीय कार्यकारी महेंद्रसिंह पांची ने कहा कि समाज में संघ के कार्य की मांग बहुत अधिक है और समाज प्रत्येक कदम पर हमारा सहयोग करने के लिए भी तैयार है, लेकिन समाज की विशालता को देखते हुए हमें ना केवल अपने प्रयासों को बढ़ाना पड़ेगा बल्कि अधिक से अधिक लोगों को अपने साथ जोड़ कर पूज्य श्री तनसिंह जी के संदेश को सभी तक पहुंचाना होगा। बैठक के दौरान सत्र 2022-23 में संभाग में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा हुई। संभागप्रमुख नीरसिंह सिंघाना द्वारा संभाग के 3 प्रांत व 11 मंडल में विभिन्न कार्यों हेतु स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए। बैठक में संभाग के 44 दायित्वाधीन स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

समाज की होनहार प्रतिभाएं

जैसलमेर जिले के भैरवा गांव निवासी सांग सिंह पुत्र उगम सिंह ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त करके पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि पर गौरवान्वित परिजनों एवं ग्राम वासियों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक महादेव सिंह दांतली की पुत्री हेमाद्री कंवर ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त करके अपने परिजनों एवं ग्रामवासियों को गौरवान्वित किया है। माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर टोडाभीम की छात्रा हेमाद्री को इस सफलता पर ग्रामवासियों एवं समाज बंधुओं द्वारा बधाई दी गई। बाड़मेर के भालीखाल गांव निवासी महेंद्र सिंह पुत्र मूल सिंह ने 12वीं कक्षा (विज्ञान वर्ग) में 94.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक ईश्वर सिंह जाखली के पौत्र चंदन सिंह पुत्र इंद्र सिंह ने भी 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करके अपने परिजनों व अध्यापकों को गौरवान्वित किया है। पथप्रेरक परिवार समाज की इन होनहार प्रतिभाओं को उनकी इस सफलता पर बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सद्गुरु देवाय नमः

हमारी शाखा के प्रिय स्वयंसेवक

भुवनेश्वर सिंह सुपुत्र श्री शैलेन्द्रसिंह दाखा

ने महाराष्ट्र बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा में 95.40 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

प्रिय **भुवनेश्वर सिंह** को

हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छ : **तनेराज शाखा, मुम्बई**

(पृष्ठ तीन का शेष)

त्वरित गति से ...

इस शिविर में 70 राजपूत युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक नारायण सिंह पांडूराई ने राजकुल सांस्कृतिक संस्था के कार्यकताओं के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला। शेखावाटी प्रांत में 20 से 23 जून की अवधि में बालिकाओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सीकर के नाथावतपुरा स्थित दुर्गा महिला शिक्षण संस्थान के परिसर में आयोजित हुआ। वरिष्ठ स्वयंसेवक जोरावर सिंह भादला के निर्देशन में श्रीमती रतन कंवर सेतरावा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि किसी भी परिवार में माता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि उसी पर संतान को संस्कारित करने का दायित्व होता है। आज हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं और उसके परिणाम स्वरूप हमारे परिवारों में ऐसा वातावरण नहीं उपलब्ध हो रहा जिसमें बालक-बालिकाएं अपने इतिहास, परंपरा और धर्म की सही जानकारी प्राप्त करके अपने स्वधर्म और कर्तव्य को जान सके। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ ऐसे शिविरों के माध्यम से समाज की बालिकाओं को संस्कारित करने का कार्य कर रहा है क्योंकि आज की बालिका ही कल की माता बनेगी और यदि माता स्वयं संस्कारित होगी तभी वह अपनी संतान को भी संस्कार दे सकेगी। यहां शिविर में हम जिस अनुशासन और सहयोगी जीवन का अभ्यास करते हैं वही जब हमारे परिवारों में भी विकसित हो जाएगा तब हमारा परिवार एक आदर्श परिवार बनेगा और समाज के नवजागरण में अपनी भूमिका निभा सकेगा। शिविर के प्रथम दिन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती भी शिविर स्थल पहुंचे। उन्होंने बालिकाओं से अपनी शक्ति और अपने दायित्व को पहचानने की बात कही। शिविर में लगभग 220 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। ग्रामवासियों तथा संस्थान के कार्यकताओं ने व्यवस्था में सहयोग किया। शेखावाटी प्रांत में ही 21 से 24 जून तक सीकर जिले के खाखोली गांव में भी प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जूलियासर ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हमारे पूर्वजों ने वीरता, त्याग, तपस्या और बलिदान के जो अनुकरणीय उदाहरण रखे उसका कारण यह था कि उन्होंने प्रारंभ से ही उस प्रकार का शिक्षण प्राप्त किया और उस प्रकार के संस्कार परिवार और समाज द्वारा उन में विकसित किए गए थे। प्राचीन समय में गुरुकुल जैसी संस्थाएं इस प्रकार के संस्कार निर्माण के कार्यों का केंद्र हुआ करती थी। आज ऐसे संस्थानों और ऐसी प्रक्रिया का समाज में पूर्णतया अभाव हो गया है जिसके कारण सभी ओर नैतिक और चारित्रिक पतन की स्थिति दिखाई दे रही है। श्री क्षत्रिय युवक संघ अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली द्वारा उन्हीं क्षत्रिय संस्कारों का शिक्षण समाज की युवा पीढ़ी को प्रदान कर रहा है जिससे हम भी अपने पूर्वजों की भांति त्याग और बलिदान के मार्ग पर चलते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकें और अपने जीवन को सार्थक कर सकें। शिविर में खाखोली, पाटोदा, सेवा, नाथावतपुरा, दूजोद, सांवलोदा, छींछास, बऊ, राजपुरा, बिंजासी, खुड़ी, बनवासा, कासली, बरसिंहपूरा आदि गांवों के 120 युवकों ने प्रशिक्षण लिया। शिविर के तीसरे दिन शिव मठ गाड़ोदा के महावीर जती जी महाराज का सानिध्य भी शिविरार्थियों को प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान में धर्म और संस्कृति के मूल्यों में हो रही गिरावट को बचाने के लिए क्षत्रिय को ही आगे आना होगा और श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा संस्कारित पीढ़ी ही इस दायित्व को निभा सकेगी। खाखोली सरपंच गोपाल सिंह, सांवलोदा धायलान सरपंच प्रतिनिधि बृजेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह, प्रकाश सिंह, राजपाल सिंह खाखोली आदि ने ग्रामवासियों के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला। जोधपुर संभाग में शेरगढ़ प्रांत के नाहर सिंह नगर गांव में भी इसी अवधि में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए भैरू सिंह बेलवा ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ जो समाज जागरण का कार्य कर रहा है वह अत्यंत कठिन और दीर्घकालीन है। युवाओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा तभी समाज और राष्ट्र भी मजबूत बनेंगे। यह कार्य केवल उपदेश से संभव नहीं बल्कि इसके लिए एक निश्चित कार्यप्रणाली का होना आवश्यक है। पूज्य श्री तन सिंह जी द्वारा प्रतिपादित सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली ऐसी ही प्रक्रिया हैं जिसमें से गुजर कर हमारे जीवन में निखार आता है। शिविर के दौरान स्थानीय शहीद पदम सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई। 2008 में जयपुर में आयोजित पूज्य तन सिंह जी जयंती कार्यक्रम से लौटते समय दुर्घटना में दिवंगत हुए राजेंद्र सिंह भूंगरा की छतरी पर जाकर शिविरार्थियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस छतरी की प्रतिष्ठा माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की उपस्थिति में की गई थी। शिविर में शेरगढ़ क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 128 बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गोहिलवाड़ संभाग के मोरचंद प्रांत में 25 से 27 जून तक तीन दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर बाड़ी गांव मे संपन्न हुवा। शिविर का संचालन करते हुए भगीरथसिंह सांढखाखरा ने कहा कि स्वयं का निर्माण किए बिना समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ अपने स्वयंसेवक में आत्म चिंतन की प्रवृत्ति विकसित करता है और साथ ही उसके व्यक्तित्व का विकास करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और वातावरण भी उपलब्ध करवाता है। आपको भी यह अनूठा अवसर प्राप्त हुआ है इसलिए जागृत रहकर इसका पूरा लाभ उठाएं। नरेन्द्रसिंह बाडी के फार्म हाउस पर आयोजित इस शिविर मे बाड़ी, मोरचंद, भवानीपुरा, अवाणिया, भावनगर शहर आदि स्थानों से 137 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक मंगलसिंह धोलेरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

किसान सबका...

हम पहले भी कई बार एक हुए हैं पर बिना नेक बने लंबे समय तक एकता नही रह पाती इसलिए पहले नेक बनें और फिर एक बनें। श्री प्रताप फाउंडेशन के माननीय संयोजक महावीर सिंह सरवड़ी ने कहा कि हम सभी परमात्मा की संतान है। भारत में प्रजातंत्र है और ये बहुत ही सुंदर व्यवस्था है किंतु भारत का नागरिक इसके अनुरूप नही बन पाये हैं। लोकतंत्र लोकहित में होना चाहिए लेकिन राजनीतिक पार्टियां सत्ता प्राप्ति हेतू विभिन्न जातियों व धर्मो के मध्य द्वंद्व पैदा करती हैं, ऐसे में हम उन सब तत्वों को ढूंढें जो हम सबको जोड़ते हैं और उन पर काम करना प्रारंभ करें। किसान शब्द भी हम सबके बीच जोड़क तत्व है। हम सब किसी न किसी रूप में किसान हैं और इसीलिए हम सबने मिलकर यह सुंदर प्रयास प्रारम्भ किया है जिसके भविष्य में सुखद परिणाम होंगे। पूज्य तनसिंह जी सबको साथ लेकर चलते थे। भारत पाक युद्ध के बाद जब मुस्लिमों के खिलाफ माहौल बना तब तनसिंह जी ने लोकसभा में इसके विरुद्ध आवाज उठाई। भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने सीमावर्ती क्षेत्र की यात्रा की और दलित मुस्लिम सहित सभी जातियों में सामंजस्य का प्रयास किया। यह सम्मेलन हमे जोड़ने के लिए है। हमारी सामूहिक शक्ति जागृत हो। हम मिलकर शक्तिशाली हों ताकि हमे कोई मांग करनी नहीं पड़े बल्कि सरकार आगे आकर हमारी मांग माने। ये गैर राजनीतिक कार्यक्रम है, इसीलिए हम देख रहे हैं कि राजनेता हमारे साथ बैठे हैं, पर वक्ता बनकर नहीं, श्रोता बनकर। बाड़मेर को लोग पिछड़ा जिला कहते हैं लेकिन जहाँ तनसिंह जी जैसे महापुरुष जन्में वह क्षेत्र पिछड़ा कैसे हो सकता है? हमने पूज्य तनसिंह जी के स्वरूप श्री क्षत्रिय युवक संघ के निर्देशन में यह काम प्रारंभ किया है तो संघ ये कहता है कि पहले हम सुधरें, फिर दुसरो को सुधारने में प्रवृत्त होवें। कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए महेंद्र सिंह तारातरा ने कहा कि हम कृषि व्यवसाय की दृष्टि से नही बल्कि पूजा की तरह करते हैं। कृषि भूमि को हम माता के समान मानते हैं। किसान, मजदूर व पशुपालक की हमारे यहाँ अलग अलग परिभाषा नही है। अतः किसान इतना व्यापक शब्द है जिसमें सर्वसमाज समाहित हो जाता है। प्रताप फाउंडेशन हमारी सामूहिक शक्ति की आवाज बने ताकि सरकार किसानों की वाजिब मांगो पर ध्यान दे, इस पृष्ठभूमि में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सम्मेलन में रावत त्रिभुवन सिंह बाड़मेर, सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, भाजपा जिलाध्यक्ष आदूराम मेघवाल, पूर्व विधायक हरि सिंह सोढ़ा, पूर्व विधायक जालम सिंह रावलोत, पूर्व विधायक कान सिंह कोटड़ी, सिवाना से विधायक प्रत्याशी रहे पंकज प्रताप सिंह, बालोतरा प्रधान भगवत सिंह जसोल, बाड़मेर प्रधान प्रतिनिधि गिरधर सिंह जसाई, चौहटन प्रधान रूपाराम सारण, रामसर प्रधान लाखाराम, रावल विक्रम सिंह सिणधरी मंच पर आसीन रहे वहीं डूंगर सिंह बाना, मौलवी हनीफ गुडीसर, दमाराम माली, भोजराम बौद्ध, नवलकिशोर लीलावत, भाखराराम विश्नोई, गोवर्धन सिंह, मौलवी नुरूदीन गागरिया, रणवीर सिंह भादू, राम सिंह बोथिया ने उद्बोधन दिया। सभी ने एक स्वर में कहा की क्षत्रिय सदा ही सबको साथ लेकर चला है। इस ऐतिहासिक सम्मेलन की पहल भी श्री क्षत्रिय युवक संघ की है, हम सब इसकी सराहना करते हैं और ऐसे अवसर पर सभी से सहयोगी बनने का आह्वान करते हैं। वक्ताओं ने कहा कि राजपूत कौम ही ऐसी पहल कर सकती है, इस पहल के दूरगामी परिणाम होंगे, हम आग्रह करते हैं कि श्री प्रताप फाउंडेशन इस मुहीम को निरंतर जारी रखे। बाड़मेर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को समाहित करते हुए एक 11 सूत्रीय मांग पत्र तैयार किया गया जिसका सम्मेलन में संघ के केन्द्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने वाचन किया। सम्मेलन के उपरांत इस मांग पत्र को जिला कलेक्टर को ज्ञापन के रूप में सौंपा गया। मंच संचालन चंदन सिंह चांदेसरा ने किया।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

Mobile : 95497-77775, 87428-13538, 98288-34449
जय श्री
बॉयज हॉस्टल
BEST FOR 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, Science Blo, Maths, IIT, NEET, JEE, Foundation, Target
CLC के पास, पिपराली रोड, सीकर
ALLEN के पीछे, शरदलता हॉस्पिटल के पास, पिपराली रोड, सीकर

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

(पृष्ठ एक का शेष)

आलोक आश्रम..

संभागप्रमुखों ने अपने संभाग में लगने वाले शिविर, वर्तमान में चल रही शाखाएं, प्रस्तावित नई शाखाएं आदि के संबंध में संघप्रमुख श्री को जानकारी दी। केंद्रीय कार्यकारी (शाखा व शाखा शिक्षण) प्रेम सिंह रणधा ने बैठक में बताया कि इस वर्ष संभागवार शाखा शिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें शाखा में शिक्षण देते समय ध्यान रखी जाने योग्य मूलभूत बातों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शाखाओं के शिक्षण में एकरूपता लाने, शाखा में शिक्षण प्राप्त किए हुए स्वयंसेवकों को प्राथमिकता से शिविरों में लाने, शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों के गांव में नई शाखाएं प्रारंभ करने हेतु प्रयास करने की बात भी कही गई। उन्होंने संभाग एवं प्रांत स्तर के सहयोगियों द्वारा शाखा के नियमित निरीक्षण और मार्गदर्शन की भी बात कही। केंद्रीय कार्यकारी (शिविर व शिविर शिक्षण) गजेंद्र सिंह आऊ ने कहा कि संभाग के शिविर प्रभारी को शिविर शिक्षण की मॉनिटरिंग का कार्य करना है। उन्होंने सभी संभागों से प्रस्तावित बालक एवं बालिका प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर, माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर, विशेष शिविर आदि की सूचना को संकलित करके माननीय संरक्षक श्री एवं संघप्रमुख श्री को अवगत कराया। केंद्रीय कार्यकारी (प्रकाशन, प्रचार-प्रसार, रिकॉर्ड व आनुषंगिक संगठन) रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि हमारे आस पास होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों के समाचार की रिपोर्टिंग पथप्रेरक के लिए समय पर करने का दायित्व हमारा है। पथप्रेरक, संघशक्ति की ग्राहक सदस्यता बढ़ाने के लिए भी निरंतर अभियान चलाया जाना चाहिए और इसमें मासिक लक्ष्य लेकर कार्य करना उपयुक्त होगा। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन व प्रताप फाउंडेशन के कार्य की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इन के माध्यम से हमें समाज में सकारात्मक भाव वाले सहयोगियों को अपने साथ जोड़ना और संघ के मूल कार्य में उनको नियोजित करना है। डिजिटल सामग्री यथा- ऑडियो, वीडियो, फोटो आदि के संग्रहण व संरक्षण को भी उन्होंने आवश्यक बताया। उन्होंने संघ शक्ति एप्लीकेशन को अद्यतन करने के लिए हो रहे कार्य के संबंध में भी जानकारी दी। केंद्रीय कार्यकारी (विस्तार) कृष्ण सिंह रानीगांव व महेंद्र सिंह पांची ने नवीन क्षेत्रों में संघ कार्य के प्रचार प्रसार हेतु किए जाने वाले कार्यों का खाका प्रस्तुत किया। जिन क्षेत्रों में संघ कार्य अपेक्षाकृत कम है उनका चयन करके उनमें संपर्क यात्रा, प्रवास शिविर आदि के माध्यम से संघ की बात को पहुंचाने और शाखाएं प्रारंभ करने की बात भी कही गई। दक्षिण भारत में स्थानीय सहयोगियों से संपर्क बढ़ाकर उनकी संघकार्य में सहभागिता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय कार्यकारी (लेखा, संस्थान व संयोमा) गंगा सिंह साजियाली ने संघ के संबद्ध संस्थानों के रिकॉर्ड को निरंतर अद्यतन करते रहने की बात कही। खींव सिंह सुल्ताना ने इतिहास लेखन व संरक्षण के लिए हो रहे कार्य के संबंध में जानकारी दी और कहा कि संघ साहित्य में उल्लेखित ऐतिहासिक व्यक्तियों एवं घटनाओं आदि की विस्तृत जानकारी जुटाकर उनके संबंध में लेखन कार्य को गति देने की आवश्यकता है। इतिहास के शोधार्थी, विद्वानों आदि से संपर्क कर प्रमाणिक ऐतिहासिक तथ्यों के संग्रहण की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। जोरावर सिंह भादला ने महिला विभाग के बारे में चर्चा की।

बस एक ही...

यह इच्छा, कि मैं कुछ करूं, यह ना हो तो संसार में कोई घटना नहीं घट सकती और यह इच्छा होते ही महत्वाकांक्षा जागृत होती है, अहंकार जागृत होता है और मूल उद्देश्य को हम भूल जाते हैं, आपस में मतभेद भी हो जाता है। सबको देख रहा हूं, मैं आपका किसी का भी कोई दोष नहीं देखता। हम किसी को कुछ बना नहीं सकते, हमारे में से ही कोई व्यक्तित्व स्वयं उभर करके आता है। कभी तन सिंह जी के सामने देखते-देखते आयुवान सिंह जी उभर कर के आए और कुछ दिन साथ चले। फिर बीमारी ने घेर लिया, भगवान नहीं चाहता था इसलिए वह चले गए। फिर नारायण सिंह जी उभर करके आए और तनसिंह जी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने लगे। वह भी उभर करके आए थे। हमने उनको संघ प्रमुख नहीं बनाया था और मैं तो यह भी कहूंगा कि उनकी योग्यता ने ही उनको संघप्रमुख बनाया, पहचाना था तनसिंह जी ने। पहचान यदि सही हो जाए तो लंबे समय तक काम किया जा सकता है। बीस साल तक नारायण सिंह जी ने संघ प्रमुख के रूप में काम किया। अपना सब कुछ भूल कर के, माता-पिता, भाई, परिवार, पत्नी बच्चों को भूल कर के, जायदाद, संपदा को भूल कर के, बिना कोई फिक्र किए कि इनका क्या होगा उन्होंने काम किया। वह सब सुखी रहे, उनके रहते हुए भी और उनके जाने के बाद भी। यह विश्वास शायद उनको हो लेकिन हमको नहीं होता है। इसी तरह से अभी आपके सामने एक संघप्रमुख उभर करके आये हैं लेकिन मुझे आप में दसों चेहरे दिखते हैं कि यह सब संघप्रमुख का काम कर सकते हैं, बनना तो एक को ही है। जिस प्रकार से नारायण सिंह जी ने तन सिंह जी का अनुगमन किया वैसे ही हम सब भी यदि संघप्रमुख का अनुगमन करते रहेंगे तो हीरक जयंती जैसी अनेकों घटनाएं घटेंगी। काम पर ध्यान दो। दिए हुए काम को आप करते रहे तो हमारे मन की विकृतियां भी धुल जाएंगी। समाज में हमारी प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी, छवि बढ़ जाएगी। लेकिन एक बड़ा खतरनाक मामला है हम सबके लिए, वह है अहंकार का। जब आदमी को सफलता मिलती है तो अभिमान आता है और ज्यों ही अभिमान आता है, अहंकार पीछे चलता हुआ आता है और यह दो दुश्मन ऐसे हैं कि कभी भी हमको भूत की तरह से पकड़ लेंगे और हमारी सारी प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल जाएगी। बस एक ही मंत्र है, एक ही सूत्र है कर्म करते रहो। कर्म क्या है? नारायण सिंह जी से सुना है कि सबसे बड़ा पुरुषार्थ व्यक्ति का यह है कि वह भगवान की इच्छा को समझ जाए। भगवान मुझसे क्या कराना चाहता है, बस यहां हमारी भूल हो जाती है। भगवान सदैव हमारा कल्याण चाहता है। पर हमारा कल्याण किस में है, यह हम नहीं समझ पाएं तो कई प्रकार की व्याधियां भी उत्पन्न हो जाती हैं। बढ़े चलो, चरैवेति-चरैवेति। 'चलता रहे मेरा संघ.. कहीं रुक ना जाए पांव, कहीं थक ना जाए मन' - यह भाव बहुत प्रेरणा देता है। 'बढ़े बिना नहीं काम बनेगा' - ऐसी बहुत सी बातें तनसिंह जी ने लिखी है। 'कर्मशील हुए बिना मिट्टी कभी तबाही, ग्राम-ग्राम नगर-नगर संघ दे दिखाई।।' रात को सपने में से उठे तब भी आपको संघ दिखाई दे और सपने भी आपको संघ के ही आए तब आप कर्मठ कहे जा सकते हैं और वही कह सकता है कि - कर्मशील हुए बिना मिटी कभी तबाही। अपने परिवार में भी ऐसा माहौल बनाएं कि वह भी आपको सहायता करे, आपको सोने ना दे। ग्राम-ग्राम, नगर नगर संघ दे दिखाई.. यह एक आदर्श कल्पना है और इस मार्ग में समस्याएं बहुत हैं। सांसारिक समस्याएं तो आएंगी, लेकिन समस्याएं तो तन सिंह जी के भी थी। कमाई का कोई साधन नहीं था फिर भी उत्कट इच्छाशक्ति से वो आगे बढ़ें। यह युवक संघ है। जोश हमारे अंदर तब होगा जब हम युवा ही रहें और तन सिंह जी कहा करते थे कि क्षत्रिय तो कभी वृद्ध होता ही नहीं। लेकिन कब? जब इस प्रकार की इच्छाशक्ति हो, बलिदान के लिए तैयार रहें, त्याग के लिए तैयार रहें। लोगों को ऐसा दिखने लगे कि आप कितने कर्मठ हैं, समाज के लिए कितने उपयोगी हैं और अब आप का डंका बज चुका है तो निश्चिंत तो ना रहें लेकिन भगवान कहता है कि निश्चिंत रहो, सब ठीक होगा.. मैं हूं ना। **जय संघ शक्ति।।**

सूरत की शाखाओं ने मनाया योग दिवस

सूरत प्रांत के सारोली मंडल की तनेराज शाखा में 21 जून को सामूहिक रूप से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। प्रांत प्रमुख खेत सिंह चादिसरा की उपस्थिति में स्वयंसेवकों ने व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि करके स्वस्थ एवं निरोगी रहते हुए समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

कविता

जिसका एक चिमटी नमक खाया और जिसका नमक था उसपे विपत्ति आ गई तो अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया ऐसे बलिदानी वीर महापुरुष खेतसिंह रूपावत के 202 वें बलिदान दिवस (26 जून) पर कोटिशः नमन।

निंबाज हवेली ऊपरे, कटक करी जोधाण।
रण रा ढोल बजाविया, निंबाज धणी सूरताण।
एक अजनबी देखियो, खुद री सेना माही,
किण रो है ओ लाडलो, किण कारण रण माही।
रूपावत कुल रो लाडलो, चाडी म्हारो गांव।
रात बासो कियो ठाकरां, दाल लीनी अठे खाय।
दाल खातर कुण कट मरे, सुण रे मारा बीर।
तोपा कटके जोर री, अठै मौत सू सीर।
नमक नोंकियो दाल में, ठाकर चिमटी एक।
मोल चूकासूं उण नमक रो, मायड़ राखे टेक।
माता लारे एकली और बहूराणी घर माय।
चिमटी नमक नै माफ कियो, बेगो घराने जाय।
ठठो मती करो ठाकरां, नहीं जाऊं रण छोड़।
नमक हरामी नहीं करे, रण बंका राठौड़।
निवण करू थारी मात ने, बार बार प्रणाम।
जबर जन्मियों खेतसिंघ, कुळ रो किनो नाम।
ज्यूं कटके है बीजळी, खेते रटक बजाई।
कर्ज चुकायो लूण रो, खेतसिंघ जग माही।
हरिनारायण नमन करे, रूपा कुल सिरमौर।
भाइपे सूं वीणती, ख्याती बढाओ चहूंऔर।

– हरिनारायण सिंह खुड़ियाला

मुकन सिंह चेकला को पितृशोक

श्री दलपत सिंह देवल

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक मुकन सिंह चेकला के पिताजी **श्री दलपत सिंह देवल** का देहावसान 20 जून 2022 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें तथा परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

बाबू सिंह बेरसियाला को मातृशोक

माताश्री अगर कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बेरसियाला की **माताश्री अगर कंवर** का देहावसान 95 वर्ष की आयु में 18 जून 2022 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवगंत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें तथा परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

जगत सिंह वलासणा को पितृशोक

रणजीतसिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक जगत सिंह वलासणा के पिता जी **रणजीतसिंह जी वलासणा** का देहावसान 07 जून 2022 को हो गया। जगतसिंह के पुत्र महावीर सिंह भी श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं। पथप्रेरक परिवार परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवगंत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें तथा परिजनों को संबल प्रदान करें।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हर्षवर्धन सिंह पुत्र नाहर सिंह जी जाखड़ी

हमारे प्रिय

हर्षवर्धन सिंह पुत्र नाहर सिंह जी जाखड़ी (जालोर) का

भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर में मास्टर ऑफ साइंस एवं पी.एच.डी. (रसायन विज्ञान)

प्रोग्राम

में चयन होने व

डॉ. अभितेज सिंह शेखावत पुत्र श्री सतपाल सिंह शेखावत जयपहाड़ी

डॉ. अभितेज सिंह शेखावत पुत्र श्री सतपाल सिंह शेखावत जयपहाड़ी (झुंझुंनूं) का

सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, बायतु, बाड़मेर (कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर)

के रूप में चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु:

भवानीसिंह मुंगेरिया	ईश्वरसिंह सांगाणा	मदनसिंह थुंबा	लालसिंह सिराना	गणपतसिंह भवरानी	ईश्वर सिंह देसू
सुमेरसिंह उथमण	मोतीसिंह सेवाड़ा	प्रेमसिंह अचलपुर	नेहपालसिंह दूदवा	दीपसिंह दूदवा	पूर्णसिंह दहीवा
देवराजसिंह मांडानी	गजेन्द्रसिंह जाविया	राजेन्द्रसिंह भवरानी	महेन्द्रसिंह कारोला	डूंगरसिंह पूनासा	खुमानसिंह दुदिया
महोब्बतसिंह धींगाणा	बहादुरसिंह सारंगवास	सरूपसिंह केरिया	गणपतसिंह पुर	ईश्वरसिंह चौरा	अमरसिंह ऊण
संग्रामसिंह देलदरी	हीरसिंह लोड़ता	सुमेरसिंह कालेवा	हिम्मतसिंह आकुआ	रेंवतसिंह जाखड़ी	हनुवंतसिंह गादेरी
		महिपालसिंह केसुआ	कल्याणसिंह सांपणी	अर्जुनसिंह देलदरी	

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org